शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल(म.प्र)

दिनांक 22.11.2022

प्रतिवेदन

साहित्य और जीवन–संस्कृति

साहित्य वास्तव में लोक–मंगल की अभिव्यक्ति का माध्यम है। यदि साहित्य में लोक–मंगल की अभिव्यक्ति ना हो तो वह अधूरा होता है। वेदव्यास जी लोक कल्याण का जो बीज भारतीय वाङ्मय में रोपित किया, वह आज भी तार्किक रूप से अपने पूर्ण रूप में उपस्थित है। उक्त उद्गार हिंदी विभाग शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय द्वारा आयोजित व्याख्यान में **मुख्य वक्ता डॉ. मुकेश मिश्रा, निदेशक दत्तोपंत ठेंगडी शोध संस्थान भोपाल** द्वारा व्यक्त किए गए। व्याख्यान का विषय था **'साहित्य और जीवन–संस्कृति'** जीवन–संस्कृति पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि हमारी संस्कृति जनपदीय अस्मिता की धाराओं में बहती रहती है। संस्कृति मानव जीवन की प्रेरणा भी है और उसकी शक्ति भी। जनपदीय संस्कृति में सभी जन वैसे ही एक–दूसरे से जुड़े होते है जैसे कि समुद्र की लहरें जो कभी अलग नही हो सकती। कोई यदि लहरों पर कंकड़ मारकर इन्हें अलग करना चाहे तो भी यह संभव नहीं। ऐसे ही भारतीय जीवन संस्कृति में सभी लोग परस्पर एक–दूसरे के पूरक और एक–दूसरे से अंर्तसंबंधित है उन्होंने कहा कि साहित्य में विचार–विमर्श और जीवन संस्कृति के मूल तत्वों को समग्रता की दृष्टि से पहचानने की आवश्यकता है।

संस्था प्रमुख प्राचार्य डॉ. अनिल शिवानी ने कार्यक्रम की शुभकामना एवं आशीर्वचन वक्तव्य में कहा कि जीवन–संस्कृति सदैव मनुष्य को एकीकृत करने पर जोर देती है। संस्कृति, कभी भी विभेद या विभाजन नहीं करती। हमें अपने पूर्वजों के नाम, स्थान एवं संस्कृति को याद रखना चाहिए। साहित्य और जीवन संस्कृति का अटूट संबंध है।

कार्यक्रम का प्रारंभ माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलन एवं पुष्प माल्यार्पण से किया गया। प्रमुख वक्ता का स्वागत एवं परिचय हिंदी विभाग की अध्यक्ष डॉ. शारदा सिंह द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति धनोतिया द्वारा एवं आभार प्रदर्शन डॉ. रचना तैलंग द्वारा किया गया। कार्यक्रम में हिंदी विभाग के सह–प्राध्यापक डॉ. उषा शर्मा, डॉ. शीला ठाकुर, डॉ. संगीता कोलावत साथ ही अन्य विभागों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

22.11.22

डॉ. शारदा सिंह
संयोजक
हिन्दी विभाग

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal

डॉ. अनिल शिवानी
प्रभारी प्राचार्य

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल म.प्र.
Website : https://govhamidiacollege.com/ Ph.-Fax No. 0755-2660447,2660081 Email – heghaaccbho@mp.gov.in

दिनांक .11.2022

सूचना

महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, सहायक प्राध्यापक, अतिथि विद्वानों एवं समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 22.11.2022 दिन मंगलवार को रूसा सभागार में अपराह्न 12:30 बजे **'साहित्य और जीवन संस्कृति'** पर डॉ. मुकेश मिश्रा, निदेशक दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान, भोपाल का व्याख्यान आयोजित है। आप सभी से अनुरोध है कि जिनकी कहीं अन्यत्र व्यस्तता न हो, उनकी उपस्थिति सादर अपेक्षित है।

डॉ. अनिल शिवानी
प्रभारी प्राचार्य

संयोजक
डॉ. शारदा सिंह
विभागाध्यक्ष, हिन्दी

PRINCIPAL
Govt Hamidia Arts & Commerce
College, Bhopal

शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, भोपाल

हिन्दी विभाग

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ के अन्तर्गत

आयोजित विशेष व्याख्यान

दिनांक 22.11.2022

"साहित्य और जीवन संस्कृति"

वक्ता – डॉ. मुकेश मिश्र, निदेशक, दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल

विश्व बैंक परियोजना अन्तर्गत

MPHEQIP मद में अकादमिक उत्कृष्टता हेतु वित्तीय सहायता प्राप्त

प्राप्ति रसीद

आज दिनांक 22.11.2022 को हिन्दी विभाग शास० हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय भोपाल द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला अन्तर्गत विषय - साहित्य और जीवन-संघर्ष पर विशेषज्ञ के रूप में मैंने व्याख्यान दिया। जिसका मानदेय रुपये 1000/- (एक हजार मात्र) प्राप्त किया।

भोपाल
दि० 22.11.22

(हस्ताक्षर)
प्राप्तकर्ता
ज्ञाता०
नाम: डॉ० मुकेश मिश्र
पद: निदेशक,
संस्था - दत्तोपंत ठेंगड़ी शोध संस्थान भोपाल

seen
(हस्ताक्षर)
22.11.22

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts & Commerce
College, Bhopal

मुख्य वक्ता - डॉ. मुकेश मिश्रा, दिनांक 22-11-22

PRINCIPAL
Govt. Hamidia Arts & Commerce College, Bhopal

06/02/2023

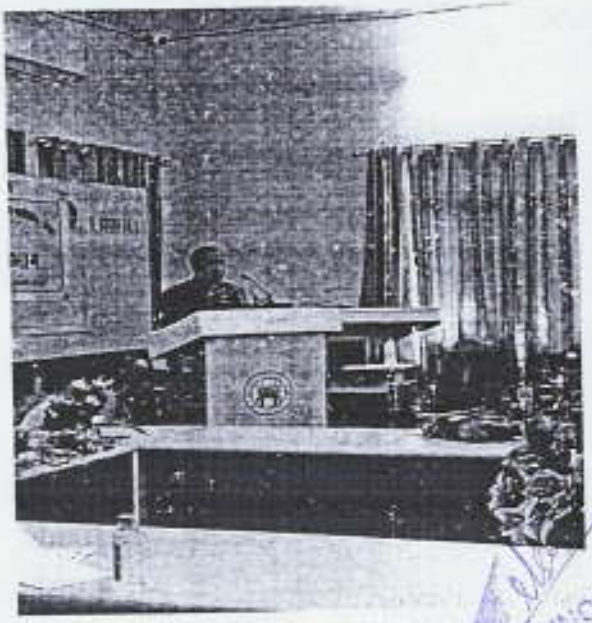

PRINCIPAL